

ब्रिक्स देश साझी संस्कृति, शांति और पारस्परिक सम्मान के सूत्र से बंधे हैं: केन्द्रीय मंत्री शेखावत

नवप्रदेश/भोपाल। केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि ब्रिक्स राष्ट्र केवल आर्थिक या राजनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझी संस्कृति, शांति, पारस्परिक सम्मान और समावेशी विकास की गहरी भावना से एकजुट हैं।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत, ब्रिक्स संस्कृति मंत्री समूह की तीसरी बैठक के दौरान रवीन्द्र भवन, भोपाल में आयोजित ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा

कि मध्य प्रदेश की यह धरा सदियों से सभ्यताओं, विचारों, आस्थाओं और कलात्मक परंपराओं का संगम स्थल रही है।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने भीमबेटका के प्रागैतिहासिक शैलचित्रों, सांची की शांति, खजुराहो के भव्य मंदिरों और यहाँ के जीवंत जनजातीय समुदायों की परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत की समृद्ध सभ्यतागत यात्रा की निरंतरता को सुंदरता से दर्शाता है। भारतीय जीवन दर्शन के मूल मंत्रों वसुधैव कुटुंबकम (विश्व एक परिवार है) और अतिथि देवो भव की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के लिए आतिथ्य केवल एक



सामाजिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक उच्च सभ्यतागत मूल्य है। उन्होंने कहा कि भले ही ब्रिक्स देशों की भाषाएं, इतिहास और कलात्मक अभिव्यक्तियां भिन्न हों, लेकिन संगीत और कला मानव आत्मा की सार्वभौमिक भाषा हैं, जो विभिन्न सभ्यताओं को मित्रता, शांति और आशा के सूत्र में जोड़ती हैं।

संबोधन में उन्होंने उल्लेख किया कि इस सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत सर्वे भवन्तु सुखिनः की सर्वकल्याणकारी प्रार्थना से हो रही है, जो आज के वैश्विक परिदृश्य में अत्यंत प्रासंगिक संदेश है। उन्होंने झीलों की नगरी भोपाल और भारत के हृदय प्रदेश में पधारे सभी

अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रवास ब्रिक्स परिवार के बीच परस्पर समझ और सांस्कृतिक बंधनों को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव में संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विश्व शांति, सांस्कृतिक संवाद और वैश्विक सद्भाव का संदेश दिया गया। भारत सहित ब्रिक्स देशों के प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक विविधता में एकता की भावना को साकार किया।लगभग 32 मिनट के विशेष संगीत कार्यक्रम का शुभारंभ 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' मंगलाचरण से हुआ।

आज बेबाक

चंदा चोरी मामले को पतवार बनाकर टोटी भैया ने अपनी पंचर सायकल को चुनावी वैतरणी पार कराने का जो हसीन सपना देखा था उस पर पप्पू पगलेट ने पलती लागा दिया। संसद परिसर में साधु के वेश में चंदा चोर बनकर जो तमाशा किया उससे संत समाज में समाजवादी पार्टी के प्रति नाराजगी से अखिलेश यादव को लेने के देने पड़ने का डर सता रहा है। डेमेज कंट्रोल के लिए उन्होंने पीडीए की नई परिभाषा गढ़ दी है। अब वे पीडीए में पी का मतलब पंडित बता रहे हैं। कल को ए का मतलब अगड़ा बताएं तो ताज्जुब नहीं होगा।

40 साल बाद बोफोर्स केस बंद, सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज

नई दिल्ली/ए। करीब 40 साल पुराने बोफोर्स घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आखिरी याचिका भी खारिज कर दी। इसके साथ ही अब यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब इस केस में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने 2005 के दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली अपील भी सुनने से मना कर दिया, जिसमें हिंदुजा ब्रदर्स और बोफोर्स कंपनी को बरी कर दिया गया था। इस केस की जांच पर करीब 250 करोड़ रुपए खर्च हुए, लेकिन इतने पैसे खर्च करने के बाद भी सीबीआई मजबूत सबूत नहीं जुटा पाई।



उपलब्धि : परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम, चीन-पाकिस्तान की टेंशन बढ़ना तय, 4000 किमी तक मारक क्षमता

भारत ने किया अग्नि-4 मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली/ए। भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज किया गया। परीक्षण का संचालन रणनीतिक बल कमान की निगरानी में हुआ, जिसमें मिसाइल के सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को सफलतापूर्वक परखा गया।

रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा, 'छह अगस्त को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक

अग्नि-4 की खासियतें

- अग्नि-4 मिसाइल की लंबाई करीब 20 मीटर है।
- इस मिसाइल का वजन लगभग 17,000 किलोग्राम है।
- जानकारी के मुताबिक, अग्नि-4 मिसाइल की मारक क्षमता 4,000 किलोमीटर है।
- यह मिसाइल 1,000 किलोग्राम पेलोड ले जा सकती है।

मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया गया। इस प्रक्षेपण के दौरान सभी परिचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन हुआ। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया।'



2007 में शुरू हुआ था अग्नि-4 का विकास

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने साल 2007 में 5,000 किलोमीटर कैटेगरी की मिसाइल परियोजना पर काम शुरू किया था। साल 2011 में अग्नि-4 नाम उस उन्नत संस्करण को दिया गया, जिसे हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की एडवॉंस्ड मिसाइल लेब ने विकसित किया था। इस मिसाइल में अग्नि-2 प्राइम के मुकाबले कई तकनीकी सुधार किए गए हैं। इसमें ज्यादा शक्तिशाली पहला चरण मोटर, बेहतर दूसरा चरण मोटर, आधुनिक गाइडेंस सिस्टम और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली शामिल हैं।

कई बार हो चुका है सफल परीक्षण

अग्नि-4 का पहला परीक्षण साल 2010 में किया गया था। इसके बाद 20 जनवरी 2014 को इसे 4,000 किलोमीटर की दूरी तक सफलतापूर्वक दागा गया। इस परीक्षण में मिसाइल करीब 850 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंची और बाद में हिंद महासागर में अपने निर्धारित लक्ष्य पर गिरी। इसके बाद रणनीतिक बल कमान ने 2 दिसंबर 2014 को पहला यूजर ट्रायल किया, जिसमें मिसाइल ने 3,500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय की। इसके अलावा 2015, 2017 और 2018 में भी इसके सफल परीक्षण किए गए।

आरोप पत्र: एक्सपर्ट्स पेपर तैयार करते समय सवाल याद कर लेते और पर्वियों में लिखकर बिचौलियों को देते थे

नीट पेपर लीक साजिश महीनों पहले हुई, सीबीआई की चार्जशीट में दावा



- नीट पेपर लीक का कई राज्यों तक फैला था जाल
- एनटीए के 3 एक्सपर्ट्स भी पेपर लीक में शामिल
- चार्जशीट में सीबीआई ने बताई अंदर की साजिश

बिचौलियों व कोचिंग संचालकों के जरिए पीपर लीक

सीबीआई के अनुसार, सवाल वॉट्सएप चैट, टेलीग्राम मैसेज, पीडीएफ और फोटो के जरिए छात्रों को भेजे जाते थे। कुछ प्राइवेट कोचिंग में छात्रों से लीक सवाल हाथ से लिखवाए गए और परीक्षा की तैयारी कराई गई। एजेंसी के मुताबिक, यह तरीका डिजिटल सबूत छेड़ने से बचने के लिए अपनाया गया था। तलाशी के दौरान सीबीआई को ऐसी कई हाथ से लिखी कॉपीयां मिली हैं।

साजिश: महीनों पहले नेटवर्क खड़ा किया

सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक, नीट पेपर लीक किसी एक व्यक्ति की साजिश नहीं थी, बल्कि एनटीए एक्सपर्ट्स, प्राइवेट कोचिंग संचालकों, बिचौलियों और कुछ छात्रों की मिलीभगत से पूरा नेटवर्क तैयार किया गया था। एजेंसी के अनुसार, परीक्षा से कई महीने पहले ही कोचिंग संचालकों और बिचौलियों ने एनटीए के तीनों एक्सपर्ट्स से संपर्क साध लिया था। इनके बीच लगातार बातचीत, मुलाकातें और पैसे का लेन-देन हुआ, जिसके जरिए पेपर लीक की पूरी साजिश रची गई।

सीबीआई ने 13 आरोपियों के बैंक खाते-लॉकर फ्रीज किए

सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, सबूत मिटाने, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत मामला दर्ज किया है। केन्द्रीय एजेंसी ने आरोपियों के बैंक खाते, बैंक लॉकर और एक डीमेट अकाउंट भी फ्रीज किए हैं।

आजीवन कारावास की हो सकती है सजा

- सीबीआई ने तीनों एनटीए एक्सपर्ट्स पर लोक सेवक के तौर पर भरोसा तोड़ने, पेपर लीक और भ्रष्टाचार समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं।
- इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मामला दर्ज किया गया है।
- बीएनएस की धारा 316(5) के तहत दोषी साबित होने पर आजीवन कारावास या 10 साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है।
- लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 की धारा 11 के तहत दोष सिद्ध होने पर 7 से 10 साल की जेल और कम से कम 10 करोड़ रुपए जुर्माने का प्रावधान है।

9वीं के छात्र ने की 8 लोगों की हत्या, पहले दादा-दादी को मारा

■ स्कूल में फायरिंग, बाद में कर ली आत्महत्या

बैंकॉक(ए.)। थाईलैंड के एक स्कूल में शुक्रवार को 9वीं के छात्र ने फायरिंग कर दी। इसमें 3 शिक्षक और 3 छात्रों समेत 6 की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हैं। छात्र ने खुद को भी गोली मार ली और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, घटना राजधानी बैंकॉक के पास डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। स्कूल पहुंचने से पहले ही छात्र ने घर में दादा-दादी की हत्या कर दी थी।



आरोपी छात्र वीडियो गेम खेलने का शौकीन था

आरोपी छात्र को लेकर नया खुलासा हुआ है। उग्र-गृह मंत्री पोलापी सुवानवावी ने बताया कि पुलिस जांच में पता चला है कि छात्र वीडियो गेम खेलने का शौकीन था। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक गेमिंग और हमले के बीच कोई सीधा संबंध नहीं बताया है।

हत्ती विद्रोहियों के हमले में 58 सैनिकों की मौत, 11 घायल

■ हत्ती विद्रोहियों का यमन-सऊदी अरब पर हमला, कई जगह लगी आग

सऊदी अरब/ए। ईरान समर्थित हत्ती विद्रोहियों ने गुरुवार को सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए। पहला हमला यमन सरकार के मिलिट्री ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हुआ, जिसमें 58 सैनिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हो गए।

यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सही समय और सही जगह पर



जवाब दिया जाएगा। वहीं दूसरा हमला सऊदी के नजरान में हुआ, जिसमें 11 नागरिक घायल हुए। इनमें 7 सऊदी, एक यमनी, दो मिस्री, एक पाकिस्तानी नागरिक हैं। वहीं, एक 4 साल का एक बच्चा भी घायल हुआ है। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।

हाथकरखा क्षेत्र को प्रोत्साहन

महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में पहल : मुयमंत्री डॉ. यादव

नवप्रदेश/भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरुप हाथकरखा क्षेत्र को प्रोत्साहन देने, पारंपरिक कला को संरक्षित करने तथा स्थानीय महिलाओं एवं बुनकरों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

अब पुनःकॉटन और अन्य कपड़ों का निर्माण कार्य उज्जैन में प्रारंभ होगा। इस केंद्र पर महिलाओं को कार्य का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे घर पर ही चरखा चलाकर महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और उन्हें 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह की आय प्राप्त होगी। लूम के संचालन से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कॉटन के संधा-साथ रेशम उत्पादन की भी योजना बनाई जाएगी। यह बातें राष्ट्रीय हाथकरखा दिवस के अवसर पर उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'हैण्डलूम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के शुभारंभ अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अंतर्गत संचालित मृगनयनी ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए देश का पहला सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) के स्वामित्व वाला एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) के डिजिटल प्लेटफॉर्म बनने का गौरव प्राप्त किया है। यह पहल न केवल मध्यप्रदेश के स्थानीय उत्पादों को डिजिटल पहचान प्रदान करेगी, बल्कि प्रदेश के कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों और उद्यमियों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार के नए द्वार भी खोलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य



में शुक्रवार को बाबा साहब नातू सामुदायिक भवन, प्रशांति धाम के पास, इंदौर रोड में कोशल एवं तकनीकी विकास योजना अंतर्गत 'हैण्डलूम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया। इस अवसर पर उन्होंने सेंटर पर उपस्थित महिलाओं से चर्चा कर हथकरखा उद्योग के बारे में जानकारी ली। प्रशिक्षण केंद्र पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चरखा भी चलाया। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग सेंटर में प्रथम तल पर निरंतर प्रशिक्षण का आयोजन किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सके। साथ ही भूतल पर पर बने उत्पादों की बिक्री के लिए यहां पर शो-रूम भी बनाया जाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत में बने खादी के कपड़ों को पूरे विश्व में पहुंचाया गया है। विगत 12 वर्षों में खादी ग्रामोद्योग के मुनाफे में आशा से अधिक 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष पीएम मित्रा पार्क का शिलान्यास धार में किया गया था। यह देश का सबसे बड़ा औद्योगिक पार्क

बनेगा।इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा आज एक ओर सौगत दी गई है। महिलाएं इससे निश्चित रूप से स्वावलंबी बनेंगी। कार्यक्रम में महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, विधायक बड़गमर जितेंद्र पंड्या, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, राजेश भारती, आयुक्त हाथकरखा निगम मदन कुमार, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, आयुक्त नगर पालिका निगम अभिलाष मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूट एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में एसीएस कुटीर एवं ग्राम उद्योग के सी. गुप्ता ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप खादी ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने और हाथ करघे का प्रशिक्षण देने के लिए आज इस केंद्र का शुभारंभ किया गया है। पूरे प्रदेश में इसका विस्तारीकरण किया जाएगा। प्रशिक्षण के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

प्रशिक्षु छात्राएं आत्मविश्वास रखें, तकनीकी दक्षता के साथ अपनी जड़ों से जुड़े : सीएम यादव

मुख्यमंत्री ने शासकीय आदिवासी महिला आईटीआई में किया प्रशिक्षु छात्राओं से संवाद

तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास देश की युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम

प्रशिक्षण और योजनाओं की जानकारी ली

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास देश की युवा शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षु छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें, तकनीकी दक्षता के साथ अपनी जड़ों और खेती से भी जुड़े रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को शासकीय आदिवासी

महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के भ्रमण के दौरान प्रशिक्षु छात्राओं से संवाद कर रहे थे। लोक निर्माण मंत्री एवं छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी श्री राकेश सिंह, सांसद श्री विवेक बंटी साहू, मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का अवलोकन करते हुए प्रशिक्षु छात्राओं से उनके प्रशिक्षण, भविष्य की योजनाओं तथा शासन की विभिन्न योजनाओं से प्राप्त हो रहे लाभ के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मैकेनिकल लैब में उन्होंने सीआरडीआई फोर-स्ट्रोक डीजल इंजन के बारे में जानकारी प्राप्त की और वह तकनीकी प्रशिक्षण लेकर इस क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना



फिटर ट्रेड की प्रशिक्षु सुषमा ङ्कने ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके माता-पिता कृषि कार्य से जुड़े हैं और वह तकनीकी प्रशिक्षण लेकर इस क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना

चाहती हैं। मुख्यमंत्री ने छात्रा से कहा -इसी आत्मविश्वास को बनाए रखिए। तकनीकी कौशल के साथ खेती से भी जुड़े रहिए।संवाद के दौरान प्रशिक्षु राधा

उङ्कने ने बताया कि वह प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई तकनीकों का उपयोग खेती-किसानी में भी करेंगी तथा भविष्य में स्वयं की टेक्निशियन मशीन और हार्डवेयर

वर्कशॉप स्थापित करना चाहती हैं। मुख्यमंत्री ने उनके संकल्प की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षुओं

से शासकीय योजनाओं से मिल रहे लाभ के संबंध में भी जानकारी ली। प्रशिक्षु मीना करवेती ने आत्मविश्वास के साथ मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि उन्हें बाईडिंग, पंखा मरम्मत, वायरिंग तथा मशीन पार्ट्स को जोड़ने जैसे तकनीकी कार्यों में दक्षता प्राप्त है और वे सभी कार्य सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए करती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षुओं के उत्साह और प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल अपना जीवन बेहतर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने कौशल और ज्ञान से समाज तथा अन्य लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की भी

है। संस्थान में फिटर ट्रेड के प्रशिक्षुओं ने 'वेस्ट टू आर्ट' की अवधारणा पर तैयार आकर्षक गिटार तथा वेस्ट से निर्मित तोप मुख्यमंत्री को भेंट की। मुख्यमंत्री ने इन रचनात्मक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि नवाचार और तकनीकी कौशल का ऐसा समन्वय युवाओं की प्रतिभा और सृजनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को संस्थान की प्रवेश विवरणिका भी भेंट की गई। मुख्यमंत्री के साथ प्रशिक्षु छात्राओं ने सामूहिक छायाचित्र भी खिंचवाया। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्थान परिसर में मलबरी (शहतूत) का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

न्यूज गैलरी

एमपी से हरियाणा तक बढ़ी उमंग सिंधार की भूमिका, कांग्रेस ने साँपों बड़ी जिम्मेदारी, बनाया पर्यवेक्षक

भोपाल/नवप्रदेश। कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक पुर्नगठन अभियान के तहत मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार को हरियाणा की अहम जिम्मेदारी दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उन्हें राज्य का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी का कहना है कि यह फैसला उनके राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक कौशल और नेतृत्व पर भरोसे को दर्शाता है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार को बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने उन्हें हरियाणा का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कांग्रेस के देशव्यापी संगठन सृजन अभियान के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य राज्यों में संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है।



नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमता पर जताया भरोसा
कांग्रेस का मानना है कि उमंग सिंधार के लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठन चलाने की क्षमता और पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में हरियाणा कांग्रेस संगठन को नई मजबूती मिलेगी और संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी आएगी।

संगठन सृजन अभियान में निभाएंगे अहम भूमिका
कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान राज्यों में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। हरियाणा के पर्यवेक्षक के रूप में उमंग सिंधार संगठन की गतिविधियों की निगरानी करेंगे, कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करेंगे और संगठन विस्तार की रणनीति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश कांग्रेस में खुशी, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई
नियुक्ति की घोषणा के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी पदाधिकारियों और समर्थकों ने उमंग सिंधार को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और इसे प्रदेश कांग्रेस के लिए भी गौरव का विषय बताया। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि वे इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।प्रदेश कांग्रेस सचिव विनोद सेन की ओर से जारी बयान में पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया गया है। कांग्रेसजनों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का धन्यवाद देते हुए कहा कि यह फैसला उमंग सिंधार की कार्यशैली और नेतृत्व पर पार्टी के विश्वास को दर्शाता है।

38 वर्ष पुराने 132 केवी विनोबा भावे जबलपुर सब-स्टेशन का हुआ उन्नयन

अब और अधिक विश्वसनीय बनी बिजली आपूर्ति व्यवस्था

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पाँवर ट्रांसमिशन कंपनी ने जबलपुर के 132 केवी विनोबा भावे सब-स्टेशन का रीमॉडलिंग एवं अपग्रेडेशन कार्य पूर्ण कर लिया है। लगभग 38 वर्षों से जबलपुर स्थित मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय, सिविल लाइन्स,रेलवे, कमीशनरी, कलेक्ट्रेट, सिविक सेंटर आदि जैसे अति महत्वपूर्ण क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा यह सब-स्टेशन अब उन्नत तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित हो गया है। उन्नयन कार्य के तहत सबस्टेशन की क्षमता, विश्वसनीयता तथा वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया गया है, जिससे आने वाले वर्षों में बढ़ती मांग को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा। कम क्षमता के पैंथर कंडक्टर के स्थान पर अधिक क्षमता के जेबरा कंडक्टर को लगाया गया अपग्रेडेशन के तहत 132 केवी का नया डबल सर्किट फीडर वे निर्मित किया गया तथा बस क्लस्टर स्थापित किए गए हैं, जिससे सब-स्टेशन की ऑपरेशनल कैपैसिटी में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही पुराने पैंथर कंडक्टर के स्थान पर उच्च क्षमता वाले जेबरा कंडक्टर लगाए गए हैं, जिससे भविष्य में बढ़ने वाले विद्युत लोड को सुगमता से वहन किया जा सकेगा। सबस्टेशन के दोनों पाँवर ट्रांसफार्मरों की रिफ़ीडरिंग एवं री-पेंटिंग भी की गई है, जिससे उनकी कार्यक्षमता और उपयोगी आयु में वृद्धि होगी। जबलपुर क्षेत्र के इस अति महत्वपूर्ण सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति की निरंतरता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सब-स्टेशन में 132 केवी की नई ऑटोऑटोमैटिक बस विकसित की गई है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक (डबल) स्प्लाय व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त पुराने ब्रेकरों के स्थान पर नवीन तकनीक आधारित ब्रेकर स्थापित किए गए हैं, जो फॉल्ट की स्थिति में त्वरित ट्रिप होकर विद्युत प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

प्रशिक्षण के पांचवें दिन तनाव प्रबंधन, मीडिया समन्वय एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को मिली नई दिशा

प्रशिक्षणार्थियों को सॉफ्ट स्किल, मीडिया प्रबंधन एवं सुरक्षा रणनीति का दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

सिंहस्थ-2028 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के उद्देश्य से पुलिस लाइन कम्युनिटी हॉल, भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांचवें दिन प्रशिक्षणार्थियों को तनाव प्रबंधन, सॉफ्ट स्किल, सुरक्षा योजना, सोशल मीडिया एवं मीडिया प्रबंधन तथा अस्थायी थानों की कार्यप्रणाली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों द्वारा विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए व्यावहारिक एवं व्यावसायिक रूप से तैयार करना है।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप पुलिस महानिरीक्षक डॉ. विनीत कपूर ने -सॉफ्ट स्किल (तनाव प्रबंधन)- विषय पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन में पुलिस बल को अत्यधिक दबाव एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी धैर्य, संयम एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना होता है। उन्होंने संकट की परिस्थितियों में शांतचित्त रहकर निर्णय लेने, प्रभावी संवाद

स्थापित करने, टीम भावना के साथ कार्य करने तथा मानसिक संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। साथ ही श्रद्धालुओं, विदेशी पर्यटकों एवं व्हीवीआईपी के साथ शालीन, संवेदनशील एवं पेशेवर व्यवहार अपनाने के महत्व पर विशेष बल दिया।

इसके उपरांत नगरीय पुलिस भोपाल के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान ने सोशल मीडिया,

त्व्रित सूचना प्रबंधन की रणनीतियों से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत करवाया गया। प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा योजना विषय पर सिंहस्थ मेले के दौरान संभावित सुरक्षा खतरों की पहचान, संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन के दौरान अपनाई जाने वाली निरोधात्मक कार्यवाहियों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं समन्वित पुलिस कार्रवाई के विभिन्न पहलुओं पर

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं प्रिंट मीडिया प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सिंहस्थ मेले के दौरान सूचनाओं के त्वरित एवं प्रमाणिक प्रसारण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि किसी भी भ्रामक सूचना अथवा अफवाह का समय रहते प्रभावी खंडन करना तथा सही एवं तथ्यात्मक जानकारी आमजन तक पहुँचाना पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके लिए सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, मीडिया समन्वय एवं सूचना प्रबंधन की रणनीतियों से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत करवाया गया। प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा योजना विषय पर सिंहस्थ मेले के दौरान संभावित सुरक्षा खतरों की पहचान, संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन के दौरान अपनाई जाने वाली निरोधात्मक कार्यवाहियों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं समन्वित पुलिस कार्रवाई के विभिन्न पहलुओं पर

विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही मेले में स्थापित किए जाने वाले अस्थायी थानों की आवश्यकता, उनकी संरचना, दायित्व, अभिलेख संधारण, शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत योग, पी.टी. अभ्यास एवं मेडिटेशन से दिया। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक श्री जय सिंह तोमर एवं हार्टफुलेनेस प्रशिक्षक श्री राजेश चंद्र शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को योग, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि नियमित योग एवं मेडिटेशन से मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास एवं कार्यक्षमता में वृद्धि होती है, जिससे पुलिस कर्मी तनावपूर्ण परिस्थितियों में भी बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों ने विषय विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर संवाद स्थापित कर अपनी जिज्ञासा का समाधान प्राप्त किया तथा सिंहस्थ-2028 के दौरान उत्कृष्ट, संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान अर्जित किया।

दतिया जीत के बाद कांग्रेस का प्रयोग: स्थानीय मुद्दों के सहारे सत्ता परिवर्तन की तैयारी, भोपाल में बनेगी रणनीति

भोपाल/नवप्रदेश। दतिया उपचुनाव की जीत के बाद कांग्रेस अब मध्य प्रदेश में स्थानीय मुद्दों को चुनावी हथियार बनाने की तैयारी में है। 11 अगस्त की भोपाल बैठक में इसी रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा, जबकि जीतू पटवारी के समर्थन में इंदौर में बड़े विरोध प्रदर्शन की भी रूपरेखा तैयार की जा सकती है। दतिया उपचुनाव में मिली जीत से उत्साहित कांग्रेस अब मध्य प्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी नए तरीके से करने जा रही है। पार्टी ने तय किया है कि प्रदेश में सरकार को घेरने के लिए राष्ट्रीय मुद्दों से ज्यादा जनता से जुड़े स्थानीय सवालों को प्रमुखता दी जाएगी। इसी रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए 11 अगस्त को भोपाल में कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की अहम बैठक होगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई बैठक में यह सहमति बनी कि प्रदेश में जनता से सीधे



जुड़े मुद्दों को लेकर व्यापक अभियान चलाया जाए। जिला और विधानसभा स्तर पर संगठन को स्थानीय समस्याएं चिन्हित कर उन्हें लगातार उठाने के निर्देश दिए जाएंगे। भोपाल में होने वाली पीएसी बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व

मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बैठक में आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और संगठन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। सूत्रों का कहना है कि जीतू पटवारी और उनके परिवार के खिलाफ कथित सरकारी कार्रवाई को लेकर कांग्रेस आक्रामक रुख अपनाने की तैयारी में है। इसके विरोध में इंदौर में बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया जा सकता है। पार्टी के भीतर राहुल गांधी के इस कार्यक्रम में शामिल होने की भी चर्चा है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बैठक में आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और संगठन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। सूत्रों का कहना है कि जीतू पटवारी और उनके परिवार के खिलाफ कथित सरकारी कार्रवाई को लेकर कांग्रेस आक्रामक रुख अपनाने की तैयारी में है। इसके विरोध में इंदौर में बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया जा सकता है। पार्टी के भीतर राहुल गांधी के इस कार्यक्रम में शामिल होने की भी चर्चा है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

औद्योगिक अधोसंरचना का विकास भविष्य की आवश्यकताओं और निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप हो : अपर मुख्य सचिव मंडलोई

मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में बर्किंग वूमैन हॉस्टल, स्पोर्ट्स पार्क एवं फ्लैटेड इंडस्ट्रीज परियोजनाओं का किया निरीक्षण

भोपाल/नवप्रदेश। औद्योगिक क्षेत्रों में विकसित की जा रही अधोसंरचना राज्य के औद्योगिक विकास की आधारशिला है। निवेशकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ श्रमिकों एवं कार्यरत महिलाओं के लिए बेहतर कार्य एवं आवासीय वातावरण सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसी दृष्टिकोण के साथ औद्योगिक नीति एगा एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई ने शुक्रवार को मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में संचालित प्रमुख विकास



परियोजनाओं का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। अपर मुख्य सचिव मंडलोई ने मंडीदीप में विकसित किए जा रहे बर्किंग वूमैन हॉस्टल परियोजना का निरीक्षण किया।

उन्होंने परियोजना के साइट ले-आउट का विस्तार से अवलोकन किया, जहां आठ मुख्य सचिव मंडलोई ने कार्य प्रगति पर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर में कार्यरत महिलाओं की सुविधा

को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र तथा जिम जैसी सुविधाएं विकसित किए जाने की आवश्यकता का परीक्षण किया जाए, जिससे यह परिसर केवल आवासीय सुविधा तक सीमित न रहकर समग्र सुविधाओं से युक्त आधुनिक परिसर के रूप में विकसित हो सके। अपर मुख्य सचिव ने मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में विकसित किए जा रहे स्पोर्ट्स पार्क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में खेल एवं मनोरंजन संबंधी अधोसंरचना कर्मचारियों और श्रमिकों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ उनकी

कार्यक्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मंडलोई ने मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, सड़क, जल निकासी एवं अन्य विकास कार्यों की स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों से विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। अपर मुख्य सचिव फ्लैटेड इंडस्ट्रीज परियोजना स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भविष्य में इस परिसर में स्थापित होने वाली संभावित औद्योगिक इकाइयों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए परियोजना के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।



सुविचार

जिंदगी का सबसे दर्दनाक लम्हा वो होता है जब आपकी आंखों में आंसू लाने वाला ही आपसे पूछे कि - क्या हुआ?

एफसीआरए बिल का विरोध

सरकार संसद के मानसून सत्र में विदेशी अंशदान(विनियमन) संसोधन विधेयक(एफसीआरए बिल) पेश करने जा रही है। इस बिल के पेश होने की सुगुबागुहट लगते ही इसाई समुदाय ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। ईसाई समुदाय के एक प्रतिनिधि मंडल ने गुहमंत्री अमित शाह से भेंट कर उनके सामने एफसीआरए बिल पर आपत्ति जताई है। उन्होंने मांग की है कि सरकार इस बिल को वापस ले ले। यदि इसे संसद में पेश ही करना है तो फिर इय बिल को संयुक्त संसदीय समीति के पास भेजे। गुह मंत्री अमित शाह से मिजोरम के मुख्यमंत्री लालटूहोमा ने भी मुलाकात की और इस बिल के छह मुद्दे पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। गुहमंत्री अमित शाह ने उन्हें आशवासन दिया है कि सरकार उनकी आपत्तियों पर भी विचार करेगी। गौरतलब है कि एफसीआरए बिल का विदेशी और भारतीय मिसनरी संगठन लगातार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस बिल के पारित हो जाने से उनकी संस्थाओं से विदेशी फंड मिलना मुश्किल हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर देश में कुकुरमुत्तों की तरह उगने वाले एनजीओ भी इस बिल की मुखालफत कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) विधेयक पहले ही संसद में पारित हो चुका है। अब इसमें सरकार संसोधन करने जा रही है जिसके मुताबिक अब विदेशी फंडिंग का हिसाब देना होगा। विदेशों से मिलने वाली सारी फंडिंग नई दिल्ली स्थित एक ही एस्बीआई बैंक में आएगी। इस बिल में किये गये संसोधन में यह भी शामिल है कि अब ऐसे एनजीओं जिन्हें विदेशी फंड मिलता है वे सिर्फ उस फंड का 20 प्रतिशत हिस्सा ही पर्सनल खर्च कर पाएंगे। जबकि पहले वे फंड का पचास प्रतिशत हिस्सा पर्सनल खर्च करते थे और इसी में सारा गोलमाल होता था। इस संसोधन का ही एनजीओ पुर्जोर विरोध कर रहे हैं। उन्हें इस बात पर भी आपत्ति है कि सरकार ने अनियमितताओं के आरोप में जिन एनजीओ का लाइसेंस रद्द कर दिया है या आगे चलकर रद्द करेगी। उनकी संपत्ति भी सरकार के पास चली जाएगी। कुल मिलाकर अब असानी से विदेशी फंडिंग नहीं आ पाएगी और जिन संस्थाओं को विदेशी फंड मिलेगा अब उन्हें उसके पाई पाई का हिसाब देना पड़ेगा। कोई भी संस्था इसमें गोलमाल नहीं कर पाएगी। यही वजह है कि इसाई समुदाय और एनजीओ एफसीआरए बिल का विरोध कर रहे हैं। भारत में विभिन्न संस्थाओं को फंड देकर अपना एजेंडा चलाने वाले अमेरिका, इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसे देश भी इसका विरोध कर रहे हैं। सरकार की मंसा है कि विदेशी फंड जो देश विरोधी ताकतों का हथियार बना हुआ था उसकी धार को कुंद किया जाये। खासतौर पर इसाई मिसनरियों की फंडिंग में कमी लगाई जाये और उसमें पारदर्शिता लाई जाये। उल्लेखनीय है कि मिसनरियों पर लंबे समय से भारत में धर्मांतरण कराने का आरोप लगात रहा है। खासतौर पर आदिवासी बहुल क्षेत्रों मे मिसनरियां ज्यादा सक्रिय रहती है और इनसे जुड़े लोग गरीब आदिवासियों से पैसों का लालच देकर या अन्य सुविधायां मुहैया कराकर उनका धर्मांतरण कराते रहे हैं। यही वजह है कि वे इस बिल का ज्यादा विरोध कर रही हैं।

राजद में संगठनात्मक बदलाव

बिहार की प्रमुख विपक्षीय पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने राजद में संगठनात्मक बदलाव की शुरुआत कर दी है। उन्होंने बिहार के राजद संगठन की सभी इकाईयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है अब वे नये सिरे से संगठन में पदाधिकारियों की नियुक्ति करेंगे। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में राजद का प्रदर्शन बेहद शर्मनाक रहा है। उसे सिर्फ पच्चीस सीटें ही मिल पाई थी। जिसके चलते तेजस्वी यादव ले दे कर नेता प्रतिपक्ष बन पाये हैं। यदि उनके खेमे का एक विधायक भी टूट जाता है तो वे नेता प्रतिपक्ष नहीं रह पाएंगे। पार्टी में अंतसंतोष भी उभरने लगा है और अब तो बांकीपूर सीट से प्रशांत किशोर के जीत जाने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का भी विधानसभा में तेज कम हो सकता है। प्रखर वक्ता और चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के सामने विधानसभा में नच्ची पास तेजस्वी यादव कही नहीं टिक पाएंगे। ऐसे में उन्हें अब अपनी बची खुची पार्टी के कमजोरे पड़ने का खतरा नजर आने लगा है। ऐसे में उन्हें अब संगठन की चिंता सता रही है और अब वे इसे मजबूत करने की कवायव में लग गये हैं। तेजस्वी यादव की पहले ही मुश्किलें बढ़ी हुई है। उनकी बहन राहिणी आचार्य पहले ही पार्टी से नाता तोड़ चुकी हैं। वहीं उनके बड़े भाई तेजप्रताप यादव ने भी राष्ट्रीय जनता दल से किनारा करके अपनी अलग क्षेत्रीय पार्टी बना ली है। राष्ट्रीय जनता दल के संस्थापक लालू यादव उग्रदराज हो गये हैं और अस्वस्थ रहने लगे हैं। इस वजह से भी राजद पर लालू परिवार की पकड़ कमजोर पड़ती जा रही है। ऊपर से लालू प्रसाद यादव, राबड़ी, देवी, मौसा भारती और तेजस्वी यादव पर विभिन्न मुकदमों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में पार्टी को एकजुट रखना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1509 : विजय नगर सम्राज्य के सम्राट के रूप में महाराज कृष्णदेव राय की ताजपोशी। 1549 : फ़्रांस ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1609 : वेनिस की सीनेट ने गैलिलियो द्वारा तैयार दूरबीन का निरीक्षण किया। 1763 : वर्षों के संघर्ष के बाद अंततः कनाडा फ्रांस के अधिकार से स्वतंत्र हुआ। 1864 : जिनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना। 1876 : थॉमस अल्वा एडिसन ने मिमियोग्राफ का पेटेंट कराया 1899 : ए.टी. माशेल ने रेग्रेजिरेटर का पेटेंट कराया। 1900 : बोस्टन में पहली डेविस कप श्रृंखला की शुरुआत। 1908 :शास्त्रीय संगीत गायिका सिद्धधरी देवी का जन्म। 1919 : ब्रिटेन ने अफ़ग़ानिस्तान की आजादी को मंजूरी दी। 1942 : महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की। 1947 : पाकिस्तान ने अपने राष्ट्रीय ध्वज को मंजूरी दी। 1988 : अफ़ग़ानिस्तान में 9 साल के युद्ध के बाद रूसी सेना की वापसी शुरू हुई. 1988 : आठ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद ईरान और इराक के बीच युद्धविराम की घोषणा।

अगस्त क्रांति: जब जनता बनी नेतृत्व और साम्राज्य हुआ बेबस



योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में ‘क्रिप्स मिशन’ भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेट्स देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की प्रुष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज ‘अगस्त क्रांति मैदान’ के नाम से जाना जाता है, में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में ‘भारत छोड़ो’ प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध ‘करो या मरो’ के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उठा और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे ‘अगस्त क्रांति’ के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को ‘भारत छोड़ो आंदोलन दिवस’ के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था।



स्वतः सड़कों पर उतर आईं। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुईं। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बांधित की गईं और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उा रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता,

सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने ‘कांग्रेस रेडियो’ के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दर्शाता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी।

भारत छोड़ो आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को यह अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले ही तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया।

जीआई टैग: वैश्विक ब्रांडों में पारंपरिक संपदा की वृद्धि



बावजूद, कई प्रामाणिक बनारसी साड़ियां अक्सर अपने वास्तविक मूल्य से बहुत कम कीमतों पर बेची जाती हैं। खरीदार हमेशा हाथ से बुनी हुई असली साड़ी को अन्य नकलों से अलग करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। यह वह जगह है जहां दो शब्द यानी जीआई टैग (भौगोलिक संकेत) सभी अंतर बनाते हैं। एक जीआई टैग प्रमाणित करता है कि साड़ी वास्तव में बनारस में पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके बनाई गई है। यह खरीदारों को इसकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और सांस्कृतिक विरासत का आश्वासन देता है। परिणामस्वरूप, प्रामाणिक बनारसी साड़ी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी अधिक कीमत प्राप्त कर सकती है। यह सुनिश्चित करता है कि बुनकर को उनकी शिल्प कौशल के लिए अधिक मान्यता और बेहतर आर्थिक लाभ मिले।

भारतीय परंपरा, अर्थव्यवस्था, स्थिरता में जीआई वस्तुओं का महत्व

जीआई टैग कारीगर शिल्प के लिए प्रामाणिकता



की मुहर के रूप में कार्य करता है, उन्हें नकल, दुरुपयोग और अनधिकृत व्यावसायीकरण से बचाता है। हालांकि, इसका महत्व कानूनी सुरक्षा से कहीं आगे तक फैला हुआ है। उदाहरण के लिए, चन्नापटना के खिलौनों को 2006 में जीआई मान्यता मिली। ये मान्यता स्मिर्फकर्नाटक के चन्नापटना क्षेत्र में बने लकड़ी के खिलौनों पर ही लागू होती है। खिलौनों का उत्पादन क्षेत्र की विशिष्ट लाह कला का उपयोग करके किया जाना चाहिए। हालांकि यह एक सरल प्रमाणन प्रतीत हो सकता है, टैग दूरगामी लाभ प्रदान कर सकता है। एक जीआई टैग एक लेबल से कहीं अधिक है। वस्त्र मंत्रालय के अनुसार, यह ग्रामीण कारीगरों की आय को 20-30 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है!

किसी उत्पाद की उत्पत्ति और अनूठी विरासत को प्रमाणित करके, जीआई टैग खरीदारों के बीच विश्वास पैदा करते हैं और उत्पाद की बाजार अपील को बढ़ाते हैं। जैसे-जैसे उपभोक्ता तेजी से प्रामाणिकता, परंपरा और शिल्प कौशल की तलाश कर रहे हैं, जीआई

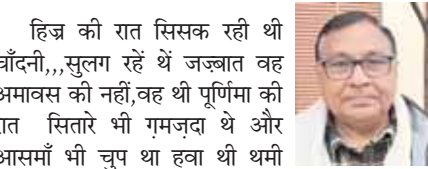
पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



चले जाएंगे तुमको शायद कर के हम अपना दर्द दिल आबाद कर के कोई ए 'काश' होता यूँ हमारा जो अशकों को बहाता खीन कर के जो तेरा हक है उसको छीन कर ले मिलेगा कुछ नहीं फुरियाद कर के उन्हीं राहों पे हम भी चल रहे हैं गया ईजाद जो फूहाद कर के तुम्हारी बात न टालेगे हम भी कभी देखो तो तुम इशारा कर के मुहब्बत में तरक्की तुमने पाई 'जफ़्फ़'ओं में अदा ईजाद' कर के सितमगर को कोई जा कर बता दे 'कमल' को क्या मिला बरबाद कर के।

- रूबी झा 'कमल'



हिज्र की रात सिसक रही थी चाँदनी,,,सुलग रहें थें जज्बात वह आमावस की नहीं,वह थी पूर्णिमा की रात सितारों भी गमजुदा थे और आसमों भी चुप था हवा भी थमी हुई,किससे कहते दिल की बात।

- रामकिशोर उपाध्याय



सुन-सुन भैया रिक्शा वाले, रिक्शा थोड़ी तेज चला ले। मेरा विद्यालय है दूर, जाना होता मार जरूर। अगर नहीं मैं जाऊँगा, कैसे पढ़-लिख पाऊँगा। जग में हैं जितने ईसान, पढ़-लिखकर ही बने महान। मैं भी पढ़-लिख जाऊँगा, जानवान कहलाऊँगा।।

- भाऊराव महंत



कोई मुझ से पूछे जिन्दगी कैसी लगी। हरपल मुझे जिन्दगी सच्चा जैसी लगी। फिर भी मैं मुझकी रहती हूँ हरदम; मुझको जीने की वजह भी ऐसी लगी।

- पूजा 'बहार '



खिड़की खुली रहने दो मत बंद करो हर खिड़की को। कुछ हवाएँ बिना बुलाए भी अच्छी लगती हैं। कुछ लोग भी तुम्हारे आने के बाद मैंने सीखा, कि प्रेम अधिकार नहीं, विश्वास है। वह खुली खिड़की है, जहाँ से रोशनी भी आती है और ताज़ी हवा भी। जिसे बाँधने की कोशिश करो, तो वह प्रेम नहीं रहता।

- रेनु 'शब्दमुख'



आदमी पे हसरतों की मार है दिल के हाथों हर कोई बीमार है। हो भरोसा नींव गर परिवार की बीच में उठती नहीं दीवार है। दिल जमाने में बिके बेमोल हो तन के रिश्तों का लगा बाजार है। नाज से पाला बहुत मॉ ने जिसे आज बेटे ने दिया दुत्कार है। आज वो बूढ़ी हुई लाचार है माँ है आँखों में दुआ है प्यार है। हैं कहीं मन्दिर कई मस्जिद बहुत ना खुदा मजहब मगर तकरार है। ये जमाने की रवायत है 'पनुज' हर कदम अपनों से मिलती हार है।

- सतीश मैथिल तनुज

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन आपको किसी भी कार्य को करने में मन नहीं लगेगा मध्याह्न तक का समय व्यर्थ की चलानाओं में खराब करेंगे। रात्रि के समय उत्तम भोजन सुख मिलेगा।

वृष: आज के दिन आप का मन आवश्यकता से अधिक चंचल रहेगा। मित्र मंडली में लंबी-लंबी डींगें हकंकरे पर हसी के पात्र बनेंगे। अपनी उम्र से बड़े लोगों के सामने विवेक से पेश आए अन्यथा मानहानि अवश्य हो कर रहेगी।

मिथुन: आज के दिन आपको विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। दिन के आरंभ में जिन लोगों से आर्थिक अथवा अन्य प्रकार की मदद का आश्वासन

मिलेगा।

कर्क: आज के दिन आप सार्वजनिक क्षेत्र पर बेहतर प्रदर्शन कर प्रशंसा के पात्र बनेंगे। जटिल कार्यों को भी अपने व्यवहार कुशलता से आसान बनालेगे।

सिंह: आज का दिन आपके लिए कार्य सफलता वाला रहेगा। आप दिन के प्रथम भाग के बाद पूर्वनियोजित योजनाओं में सफलता मिलने से उत्साहित रहेंगे।

कन्या: आज के दिन आप की धार्मिक भावनाओं में वृद्धि होगी। अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर पूजा पाठ आदि धार्मिक कृत्यों एवं प्रोपेकार में लगेगे।

तुला: आज के दिन प्रातः काल से ही सेहत में नरमी बनेगी। असयमित खान-पान अथवा आप के कारण पेट दर्द के साथ शारीरिक अंगों में शिथिलता अनुभव करेंगे। **वृश्चिक**: आज का दिन भी आपके लिए बेहतर रहने वाला है लेकिन आज आलस्य

प्रमाद अधिक रहने के कारण जल्दी से किसी कार्य को करने के लिए तैयार नहीं होंगे। **धनु**: आज मध्यान तक का समय आपको विभिन्न सुखों की प्राप्ति कराएगा। दिन के आरंभ में आलस्य प्रमाद फैलाएंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण कार्य में विलंब होगा।

मकर: आज के दिन आप अपनी बुद्धि विवेक का आवश्यकता से अधिक ही उपयोग करेंगे प्रत्येक कार्य में मीनमेख निकालना परिजनों के साथ बाहरी लोगों को भी अखरेगा। **कुम्भ**: आज का दिन आपको शांत रहने का सुझाव है। आप परिजन से कोई मनोकामना पूर्ण ना होने पर क्रोध आपणा जिस पर संयम ना रहने पर किसी से सथापाई की भी नौबत ना आ सकती है।

मीन: आज का दिन आपके लिए व्यर्थ की मानसिक परेशानियों वाला रहेगा। खर्च अनियंत्रित होने के कारण मानसिक तनाव बढ़ेगा।

QUIZ TIME

1 पुलिस द्वारा नशे में गाड़ी चलाने वाले की सांस की जांच के लिये फिल्टर पेपर पर क्या होता है?

2 यदि आप भूमध्य रेखा से उत्तरी ध्रुव की ओर यात्रा करते हैं, तो किसी वस्तु के वजन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

3 मौर्य प्रशासन में समार्हता नामक अधिकारी का कार्य क्या था?

4 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाँ विवेक स्मारक का उद्घाटन किया है?

5 साबूदाना किस पोषे की जड़ से तैयार किया जाता है?

शब्द (5)

शब्द (7)

शब्द (8)

शब्द (9)

शब्द (10)

शब्द (11)

शब्द (12)

शब्द (13)

शब्द (14)

शब्द (15)

शब्द (16)

शब्द (17)

शब्द (18)

शब्द (19)

शब्द (20)

शब्द (21)

शब्द (22)

शब्द (23)

शब्द (24)

शब्द (25)

शब्द (26)

शब्द (27)

शब्द (28)

शब्द (29)

शब्द (30)

शब्द (31)

शब्द (32)

शब्द (33)

शब्द (34)

शब्द (35)

शब्द (36)

शब्द (37)

शब्द (38)

शब्द (39)

शब्द (40)

शब्द (41)

शब्द (42)

शब्द (43)

शब्द (44)

शब्द (45)

शब्द (46)

शब्द (47)

शब्द (48)

शब्द (49)

शब्द (50)

शब्द (51)

शब्द (52)

शब्द (53)

शब्द (54)

शब्द (55)

शब्द (56)

शब्द (57)

शब्द (58)

शब्द (59)

शब्द (60)

शब्द (61)

शब्द (62)

शब्द (63)

शब्द (64)

शब्द (65)

शब्द (66)

शब्द (67)

शब्द (68)

शब्द (69)

शब्द (70)

शब्द (71)

शब्द (72)

शब्द (73)

शब्द (74)

शब्द (75)

शब्द (76)

शब्द (77)

शब्द (78)

शब्द (79)

शब्द (80)

शब्द (81)

शब्द (82)

शब्द (83)

शब्द (84)

शब्द (85)

शब्द (86)

शब्द (87)

शब्द (88)

शब्द (89)

शब्द (90)

शब्द (91)

शब्द (92)

शब्द (93)

शब्द (94)

शब्द (95)

शब्द (96)

शब्द (97)

शब्द (98)

शब्द (99)

शब्द (100)

शब्द (101)

शब्द (102)

शब्द (103)

शब्द (104)

शब्द (105)

शब्द (106)

शब्द (107)

शब्द (108)

शब्द (109)

शब्द (110)

शब्द (111)

शब्द (112)

शब्द (113)

शब्द (114)

शब्द (115)

शब्द (116)

शब्द (117)

शब्द (1

■ ■ न्यूज गैलरी

शराब के पैसे नहीं दिए, चाकू से हमला

जबलपुर। बेलबाग थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये मांगने से इनकार करना एक युवक को भारी पड़ गया। पोंडित समीर सोनकर ने पुलिस को बताया कि बीजासन माता मंदिर से लौटते समय आरोपी अतुल ठाकुर ने उससे 500 रुपये मांगे। मना करने पर गाली-गलौज करते हुए चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ की उंगली घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गरिमा अभियान में मनचलों पर शिकंजा

जबलपुर। महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे गरिमा अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अनु बेनिवाल ने स्वयं स्कूलों और कॉलेजों के आसपास पहुंचकर कार्रवाई की। अभियान के दौरान स्कूलों के आसपास बेवजह घूम रहे मनचलों तथा बिना हेलमेट और बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान एएसपी ने छात्राओं से संवाद कर उन्हें भरोसा दिलाया कि छेड़छाड़ या किसी भी तरह की परेशानी होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस अधीक्षक सम्मत उपाध्याय ने कहा कि बेटियां बिना किसी भय के स्कूल, कॉचिंग और अन्य स्थानों पर जाएं, उनकी सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है।

134 मोबाइल मालिकों के चेहरे खिले

जबलपुर। जबलपुर पुलिस ने गुप्त हुए मोबाइल तलाशने के अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 134 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 23 लाख रुपये बताई गई है। मोबाइलों को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से ट्रैस किया गया। पुलिस अधीक्षक सम्मत उपाध्याय ने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल गुप्त होने पर तत्काल संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत करें। वहीं साइबर ठगी की स्थिति में राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 या साइबर सेल जबलपुर के हेल्पलाइन नंबर 7701050010 पर तुरंत सूचना दें। पुलिस ने निवेश के नाम पर ठगी, क्राड्सएप एपीके फाइल खजनाला करने और बैंक संबंधी जानकारी साझा करने से बचने की सलाह भी दी।

डॉ.एच. पी. तिवारी भोजशाला प्रकरण की सुनवाई हेतु पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

जबलपुर। धार के बहुचर्चित भोजशाला बनाम कमाल मौला मस्जिद प्रकरण की सुनवाई हेतु जबलपुर निवासी याचिका कर्ता डॉ.एच.पी. तिवारी हिंदुत्व के मामलों में प्रखरता के साथ पक्ष रखने वाले अपने विद्वान अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के साथ उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली पहुंचे। डॉ.तिवारी ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ द्वारा अपने 15 मई 2026 के निर्णय में भोजशाला को हिंदू मंदिर और प्राचीन संस्कृत शिक्षा केंद्र घोषित किए जाने के बाद वहां पर नमाज बंद होकर सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां वाग्देवी की अखंड पूजा जारी है। इस बीच इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष द्वारा उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर किए जाने के बाद उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी अपना पक्ष रखने हेतु सुप्रीम कोर्ट के अपने हिंदुवादी अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के साथ नई दिल्ली स्थित उच्चतम न्यायालय पहुंचे हैं। जहां पर तथ्यों के साथ बड़ी मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा जाएगा। डॉ.तिवारी ने कहा कि उन्हें दृढ़ विश्वास है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा भी उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा जाएगा

पोलीपाथर में अवैध कॉलोनी पर एक्शन

जबलपुर। नगर निगम की शिकायत पर गौरीघाट थाना पुलिस ने पोलीपाथर क्षेत्र में बिना वैधानिक अनुमति के कॉलोनी विकसित करने के मामले में पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि कॉलोनाइजर्स ने टीएनसीपी और नगर निगम से आवश्यक स्वीकृति लिए बिना भूखंडों का विकास कर लोगों से प्लॉट के नाम पर राशि भी वसूल ली। नगर निगम कॉलोनी सेल के सहायक अभियंता सुनील दुबे की शिकायत के अनुसार, मौजा पोलीपाथर के खसरा नंबर 18/2 रकबा 0.451 हेक्टेयर भूमि पर हिम्मत पटेल, रमेश पटेल, रामेश्वरी पटेल, चोखेलाल पटेल तथा डेविस स्वामी द्वारा अवैध रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। जांच में सामने आया कि कॉलोनी का लेआउट संयुक्त संचालक, नगर एवं ग्राम निवेश (टीएनसीपी) से अनुमोदित नहीं कराया गया और न ही नगर पालिका कॉलोनाइजर नियम, 2021 के तहत विकास की अनुमति प्राप्त की गई। नगर निगम ने कॉलोनाइजर्स को 14 दिसंबर 2023, 8 जनवरी 2024, 31 जनवरी 2024, 14 फरवरी 2024 और 5 अप्रैल 2024 को नोटिस जारी किए थे। इसके बावजूद न तो कोई संतोषजनक जवाब दिया गया और न ही कॉलोनी की स्वीकृति से संबंधित वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। आरोप है कि नोटिस मिलने के बाद भी मौके पर विकास कार्य लगातार जारी रखा गया। लिखित शिकायत पर आरोपी हिम्मत पटेल, रमेश पटेल, रामेश्वरी पटेल, चोखेलाल पटेल, डेविस स्वामी सभी निवासी अजय के विरुद्ध धारा 292(सी) म.प्र.नगर पालिका अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बीएसी एवं जनशिक्षकों की काउंसलिंग

राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिले में रिक्र बीएसी एवं जनशिक्षकों के पदों के लिए आज जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में काउंसलिंग आयोजित की गई ।

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र योगेश शर्मा ने बताया कि जिले में बीएसी एवं जनशिक्षकों के कुल 66 रिक्त पदों के लिए 65 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें बीएसी के 26 रिक्त पदों के विरुद्ध काउंसलिंग के माध्यम से 15 पात्र शिक्षकों ने रिक्त पदों का चयन किया। इसी प्रकार जनशिक्षकों के 40 रिक्त पदों के लिए



काउंसलिंग के माध्यम से 17 पात्र शिक्षकों ने रिक्त स्थानों का चयन किया। इस प्रकार कुल 66 रिक्त पदों में से 32 पात्र शिक्षकों ने बीएसी एवं जनशिक्षकों के रिक्त पदों का चयन किया।

जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार प्रत्येक विकासखंड में विषयवार 5 बीएसी तथा प्रत्येक जनशिक्षा केंद्र में 2 जनशिक्षकों के पद निर्धारित हैं।

इन पदों के लिए उच्च श्रेणी शिक्षक या माध्यमिक शिक्षक होना, आयु 52 वर्ष से अधिक न होना तथा संबंधित शिक्षक के विरुद्ध विभागीय जांच, अपराधिक प्रकरण अथवा लंबे समय तक अनुपस्थित रहने की शिकायत नहीं होना आवश्यक है। उन्होने बताया कि शेष रिक्त पदों के लिए पात्र शिक्षकों की पुनः काउंसलिंग कराई जाएगी, जिसका सूचना पृथक से दी जाएगी।

फेडरेशन ऑफ मप्र चेंबर ने उठाई मांग

बंद पड़ी फैक्ट्री को बनाया जाए टेलीकॉम हब

नवप्रदेश/जबलपुर। शहर की ऐतिहासिक टेलीकॉम फैक्ट्री की भूमि और उपलब्ध औद्योगिक अधोसंरचना का उपयोग आधुनिक टेलीकॉम, सेमीकंडक्टर चिप निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में किए जाने की मांग उठी है ।

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष हिमांशु खरे ने केंद्र और राज्य सरकार से इस दिशा में ठोस पहल करने का आग्रह किया है। हिमांशु खरे ने कहा कि केंद्र सरकार मेक इन इंडिया,

डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकॉम उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा दे रही है। ऐसे में जबलपुर की बंद पड़ी टेलीकॉम फैक्ट्री का पुनरुद्धार कर इसे आधुनिक टेलीकॉम क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यहां 5जी और 6जी नेटवर्क से जुड़े उपकरण, राउटर, स्विच, ट्रांसमिशन सिस्टम, ऑप्टिकल फाइबर केबल, फाइबर टर्मिनेशन और अन्य नेटवर्किंग उपकरणों के निर्माण एवं

परीक्षण की इकाइयां स्थापित की जा सकती हैं। साथ ही भविष्य की संचार तकनीकों, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नेटवर्क तथा स्मार्ट कम्प्युनिकेशन सिस्टम के लिए अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) केंद्र भी विकसित किए जा सकते हैं। खरे ने कहा कि जबलपुर की मजबूत रक्षा औद्योगिक पुष्पभूमि को देखते हुए यहां डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स, सर्विलांस उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक कर्पोनेट्स निर्माण से जुड़े उद्योग स्थापित करने की कार्ययोजना बनाने

वरिष्ठ नागरिक परिषद की सौजन्य बैठक

नवप्रदेश/जबलपुर। वरिष्ठ नागरिक परिषद की सौजन्य बैठक में परिषद के संरक्षक एवं वरिष्ठ पार्षद कमलेश अग्रवाल तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष काजल विश्वास का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया ।



बैठक में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, उनके अधिकारों की सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। इस अवसर पर काजल विश्वास ने वरिष्ठ नागरिकों के हित में परिषद के साथ निरंतर कार्य करने का संकल्प

व्यक्त किया। वहीं कमलेश अग्रवाल ने निकट भविष्य में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित करने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन अनिल शुक्ला ने तथा आभार गुरुमुखदास ने व्यक्त किया।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने संजीवनी नगर थाना घेरा, सड़क जाम किया

ऑपरेशन गरिमा में युवक पर पुलिस की कार्रवाई रास नहीं आयी



नवप्रदेश/जबलपुर।

जबलपुर पुलिस द्वारा महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन गरिमा' के तहत चल रहे अभियान में संजीवनी नगर थाना पुलिस द्वारा एक युवक को पकड़ा जाना बजरंग दल के कतिपय कार्यकर्ताओं को शुकुवार को रास नहीं आया और उन्होंने कार्रवाई के विरोध में न केवल संजीवनी नगर थाना घेर लिया वरन मुख्य मार्ग को भी जाम कर दिया। पुलिस ने अभियान के दौरान गद्दा थाना क्षेत्र निवासी अजय कोस्टा के खिलाफ प्रतिबन्धात्मक कार्रवाई की थी और इसी मामले को

लेकर उसके समर्थन में बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल ही में शहरभर में स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर मनचलों एवं सौंदिगध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए अजय कोष्टा को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई की। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का एक समूह संजीवनी नगर थाना जा पहुंचा।

बताया जाता है कि यहां आरोपी को छोड़ने की मांग को लेकर पहले थाने का घेराव किया गया और बाद में मुख्य सड़क पर चक्का जाम कर दिया गया। इस दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और आम नागरिक, स्कूली बच्चे, मरीज तथा कार्यालय जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही गोरखपुर सभाग के सीएसपी महादेव नागोतिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया,

नवप्रदेश/जबलपुर।

मप्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हिमान्तु जोशी की एकलपीठ ने शादी का झंसा देकर दुष्कर्म, जबरन गर्भपात, मारपीट और धमकी के आरोपों से संबंधित शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले में भोपाल पुलिस कमिश्नर को तीन दिन के भीतर विधि अनुसार कार्रवाई कर उचित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। अपने



आदेश में एकलपीठ ने कहा कि पीड़िता की शिकायत पर सक्षम अधिकारी कानून के अनुसार कार्रवाई करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्णय लें।

उच्च न्यायालय में दायर याचिका में पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसने 10 जुलाई 2026 को भोपाल के कमला नगर थाना में राजपाल अहिरवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप था कि आरोपी ने शादी का झंसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में जबरन गर्भपात भी कराया। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस ने प्रकरण में एफआईआर दर्ज करने के बजाय उसे ही धमकाया कि यदि वह मामला दर्ज करेगी पर जोर देगी तो उसके खिलाफ हनी ट्रैप का मामला

दर्ज कर दिया जाएगा। याचिका में यह भी कहा गया कि पुलिस ने आरोपी को बचाने का प्रयास किया और शिकायतकर्ता पर दबाव बनाया। इसके बाद पीड़िता ने भोपाल पुलिस कमिश्नर से भी शिकायत की, लेकिन वहां से भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उच्च न्यायालय में दायर याचिका में तत्कालीन थाना प्रभारी रूपा पांडे, उपनिरीक्षक शैलेंद्र राजावत तथा महिला प्रधान आरक्षक डॉली चौंसिया के विरुद्ध विभागीय जांच और आपाधिक कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की गई थी।

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव

पहले चरण की मतगणना पूरी, राकेश सिंह भदौरिया ने कोटा पार कर दर्ज की जीत

जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव-2026 की मतगणना के प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो गया है। हाई पावर्ड इलेक्शन कमेटी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कुल वैध मतों के आधार पर 2,48,392 मत-मूल्य का कोटा निर्धारित किया गया था। इस कोटा को केवल एक प्रत्याशी राकेश सिंह भदौरिया ने पार किया, जिन्हें 3,31,400 मत-मूल्य प्राप्त हुए। इसके साथ ही उन्हें अनौपचारिक रूप से निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एस.के. पालो द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, श्री भदौरिया के निर्वाचित होने के बाद उनके सरप्लस वैल्यू का हस्तांतरण मतपत्रों पर अंकित द्वितीय वरीयता वाले प्रत्याशियों को नियमानुसार किया गया। निर्धारित गणना के अनुसार सरप्लस वैल्यू 25 रही। श्री भदौरिया को प्रथम वरीयता के 80 मतपत्र प्राप्त हुए थे, जिनके आधार पर द्वितीय वरीयता वाले प्रत्याशियों को 25 मत-मूल्य के अनुपात में हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद एलिमिनेशन राउंड की मतगणना शुरू हुई, जिसमें प्रत्याशी क्रमांक 95 रेखा बोरीवाल (इंदौर) एवं प्रत्याशी क्रमांक 17 अरुण सिंह (रीवा) का एलिमिनेशन किया गया। उनके मतपत्रों पर अंकित द्वितीय वरीयता के आधार पर मतों का हस्तांतरण किया गया। सरप्लस वैल्यू हस्तांतरण एवं दो प्रत्याशियों के एलिमिनेशन के बाद पुरुष प्रत्याशियों में राकेश सिंह भदौरिया, विवेक सिंह, आर.के. सिंह सैनी, नरेंद्र कुमार जैन और जय हांडिया को बढ़त मिली। वहीं महिला प्रत्याशियों में प्रवीण तिवारी, अनु पटेल, प्रतीका पाठक, रेशिम त्रिु जैन और प्रतिमा वालिया बढ़त पर हैं। चुनाव की शेष मतगणना आगामी चरणों में जारी रहेगी।



घर वापसी, 60 समर्थकों संग शानू यादव व सपना पवार कांग्रेस में शामिल

नवप्रदेश/जबलपुर।

घंटाघर स्थित कॉफी हाउस में जिला कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ एवं महिला कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के नव-नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण और खिलाड़ियों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक लखन घनघोरिया मुख्य अतिथि एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाठी शर्मा अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान पूर्व छात्र नेता शानू यादव और सपना पवार ने अपने करीब 60 साथियों के साथ पुनः कांग्रेस का दामन थाम लिया। पार्टी



नेताओं ने उनका स्वागत करते हुए इसे कांग्रेस परिवार की मजबूत होती एकजुटता बताया। इसके बाद खेल प्रकोष्ठ के नव-नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए और खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रशांत मिश्रा, पार्षद संजय साहू, दिना ठाकुर, राज सोनकर, मधु चौधरी, पप्पू वसीम खान, आरिफ बेग, अशोक तोमर, डॉ. राजेंद्र पिह्लई, पलाश मजूमदार सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन दिनेश सिंह ठाकुर (दीना) ने किया।

असम में बाढ़ से 15 जिलों के 1.68 लाख लोग प्रभावित, 133 राहत शिविर संचालित



दिसपुर। असम में बाढ़ की स्थिति गुरुवार को भी गंभीर बनी हुई है। राज्य के 15 जिले अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। हालांकि अधिकारियों

के मुताबिक सिर्फ एक नदी ही खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार

नुमालीगढ़ में धनसिरी दक्षिण नदी खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं कोई भी नदी सर्वाधिक बाढ़ स्तर से

ऊपर नहीं बह रही है। नवीनतम बाढ़ बुलेटिन के अनुसार 39 राजस्व सर्किलों के 481 गांवों में 1,68,701 लोग प्रभावित हैं। लगभग 14,382.26 हेक्टेयर फसल क्षेत्र जलमग्न है जिससे कई जिलों में लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है।

बाढ़ में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 365 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं जिनमें एक-एक व्यक्ति की जान गई है। फ्लिहाल किसी के लापता होने की सूचना नहीं है।

राहत शिविर और सहायता सामग्री का वितरण

राज्य सरकार ने प्रभावित जिलों में 133 राहत शिविर और वितरण केंद्र संचालित किए हैं। राहत शिविरों में अभी 10,111 लोग शरण लिए हुए हैं जबकि 35,596 लोगों को वितरण केंद्रों के माध्यम से सहायता दी जा रही है। राहत सामग्री में 616 क्विंटल से अधिक चावल, लगभग 110 क्विंटल दाल, खाद्य तेल, पशु आहार और अन्य आवश्यक सामान शामिल हैं जिनका वितरण किया गया है।



सबसे ज्यादा प्रभावित जिले और फसल नुकसान

सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में गोलाघाट, शिवसागर, जोरहाट, चराईदेव, लखीमपुर, नगांव, दरंग और विश्वनाथ शामिल हैं। गोलाघाट में सबसे अधिक 54,085 लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद शिवसागर में 49,515, जोरहाट में 27,842 और चराईदेव में 21,486 लोग प्रभावित हैं। शिवसागर, जोरहाट, लखीमपुर और चराईदेव में फसलों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है।

आपदा से 41,475 पशु भी प्रभावित हुए हैं। साथ ही 365 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं जिनमें 40 पूरी तरह और 325 आंशिक रूप से

क्षतिग्रस्त हैं। बचाव कार्यों के लिए 93 टीमें और 151 नावें तैनात की गई हैं। नावों से अब तक चार लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

नारायण साई की उम्रकैद पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम के बेटे नारायण साई को 2013 के दुष्कर्म मामले में मिली उम्रकैद की सजा पर रोक लगाने से



इनकार कर दिया। हालांकि, अदालत ने गुजरात हाईकोर्ट से कहा कि वह साई की दोषसिद्धि के खिलाफलंबित अपील का निपटारा तीन महीने के भीतर करने का प्रयास करे। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने कहा, 'हम हाईकोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह तीन महीने के भीतर अपील का निपटारा करने का प्रयास करे।

हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि याचिकाकर्ता और राज्य सरकार दोनों इस प्रक्रिया में पूरा सहयोग करेंगे।' नारायण साई की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन ने अदालत को बताया कि शोध सुनवाई के लिए आवेदन देने के बावजूद उसकी अपील पर अब तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने नारायण साई को यह स्वतंत्रता भी दी कि यदि उसकी अपील का निपटारा तीन महीने के भीतर नहीं होता है, तो वह दोबारा सर्वोच्च अदालत का रुख कर सकता है।

स्वतंत्रता सेनानियों ने गोली खाई आप अंडों से डरती हैं : सुको

महुआ मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट की दो-टूक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तुषामूल काग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने पुलिस के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश होने के बजाय वचुंअली पूछताछ की अनुमति मांगी थी। अदालत ने साफकहा कि जांच का सामना करना होगा और केवल सांसद होने के आधार पर विशेष छूट नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ के सामने महुआ मोइत्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन



ने दलील दी कि उनकी मुवांफिल जांच में सहयोग करने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ की अनुमति दी जाए। वकील ने कहा कि पिछली बार जब महुआ मोइत्रा अपने निर्वाचन क्षेत्र के पुलिस थाने गई थीं, तब उनके खिलाफ विरोध हुआ था और उन पर अंडे भी फेंके गए थे। इसलिए उनकी सुरक्षा को देखते हुए वचुंअल उपस्थिति की अनुमति दी जानी चाहिए।

आरजेडी में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल, जिला से पंचायत तक सभी इकाइयां भंग

नए सिरे से होगा संगठन का गठन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने बिहार में अपनी सभी संगठनात्मक इकाइयों को भंग कर दिया है। इनमें जिला, प्रखंड और पंचायत समितियों के अलावा विभिन्न प्रकोष्ठों की इकाइयां भी शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।राजद की बिहार इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने बृहस्पतिवार देर शाम यह बयान जारी किया। राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता अपनी जमानत भी नहीं बचा सकीं



हाल में संपन्न हुए बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की हार के बाद राजद का यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपचुनाव में राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता अपनी जमानत भी नहीं बचा सकीं।बयान में कहा गया, 'राजद (बिहार) की सभी स्तरों पर मौजूद संगठनात्मक इकाइयां - जिनमें

संगठन समितियों के पुनर्गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी

इसमें कहा गया है कि राज्यभर में सभी स्तरों पर संगठन समितियों के पुनर्गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।हाल में राजद के दो नेताओं -भाई वीरेंद्र और शक्ति सिंह यादव- के बीच बयानबाजी तेज हो गई थी। दोनों ने बांकीपुर उपचुनाव में हार के बाद पार्टी संगठन को कमजोर करने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया था।

जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर की इकाइयां तथा सभी प्रकोष्ठों और अन्य संबद्ध संगठनों से जुड़ी इकाइयां शामिल हैं, तत्काल प्रभाव से भंग की जाती हैं।' राजद की सभी संगठनात्मक इकाइयों को भंग किए जाने पर विधायक भाई वीरेंद्र ने शुक्रवार को

संवाददाताओं से कहा कि यह फैसला पार्टी संगठन को पहले से ही अधिक मजबूत बनाने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा कि अब पार्टी में केवल समर्पित और सक्षम कार्यकर्ताओं को ही जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

डाबर को अंतरिम राहत, दिल्ली हाईकोर्ट ने एफएसएसएआई के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के उस प्रतिबंध आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें डाबर इंडिया लिमिटेड को कथित रूप से धामक "100 प्रतिशत" दावे वाले कुछ खाद्य उत्पादों की बिक्री रोकने का निर्देश दिया गया था।



है।"

न्यायमूर्ति महाजन ने डाबर इंडिया की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए केंद्र सरकार और एफएसएसएआई से जवाब मांगा और अंतरिम आदेश पारित किया। वहीं, इस मामले की अगली सुनवाई 24 अगस्त को होगी। डाबर ने कहा, 'याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता की दलीलों को देखते हुए, इस अदालत की प्रथम दृष्टया राय है कि इस तरह का प्रतिबंध आदेश सुनवाई का अवसर दिए बिना पारित नहीं किया जाना चाहिए था। अगली सुनवाई की तारीख तक विवादित आदेश पर रोक लगाई जाती

"100 प्रतिशत ऑर्गेनिक" और "100 प्रतिशत टेंडर नारियल पानी" जैसे दावे किए गए थे।

मामले को शुरुआत में तत्काल सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति देवेन्द्र कुमार उपाध्याय के समक्ष रखा गया था। पीठ ने मामले की तत्काल सुनवाई के लिए अनुमति दी थी।

शुक्रवार की सुनवाई के दौरान डाबर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि कंपनी दशकों से इन उत्पादों की बिक्री कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस अधिकारी ने आदेश पारित किया, उसके पास इस तरह से इन उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने का अधिकार नहीं था।

यह भी दलील दी गई कि आदेश प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए बिना और कंपनी को कोई कारण बताओ नोटिस जारी किए बिना पारित किया गया।

ग्रेंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने जीता सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने एक राउंड बाकी रहते हुए ही ग्रेंड चेस ट्रं सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया। प्रज्ञानानंद और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच आखिरी मुकाबले का अंत झूँ पर होने के साथ ही भारतीय ग्रैंडमास्टर का खिताब पक्का हो गया। 20 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कुल 35 में से 23 व्वाइंट हासिल करके चौथियनशेष को अपने नाम किया। शानदार टूर्नामेंट के बाद सिंदारोव ने 22 व्वाइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेस्ली सो 20.5 व्वाइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। लेवोन अरोनियन 19 व्वाइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे, और फैबियानो कारुआना, लीनियर डोमिंग्वेज और जॉर्डन वैन पेरस्ट 17 व्वाइंट के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। प्रज्ञानानंद को बिना किसी प्लेऑफ के सीधे जीत हासिल करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर और 13 ग्रैंड चेस ट्रं व्वाइंट मिले। इस नतीजे



से प्रज्ञानानंद सिंकपीलड कप से पहले ग्रैंड चेस ट्रं स्टीडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि फैबियानो अभी भी ओवरऑल ग्रैंड चेस ट्रं स्टीडिंग में सबसे आगे हैं। प्रज्ञानानंद ने पांच दिन के इस इवेंट में शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी। सिंदारोव ने आखिरी दौर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए और 1.5 व्वाइंट के अंतर से उपविजता रहे। जून में, प्रज्ञानानंद प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुके हैं। सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में 31 जुलाई से 7 अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में दस बेहतरीन ग्रैंडमास्टर शामिल हुए।

‘द ट्रेटर्स सीजन-2’ का ट्रेलर रिलीज



मुंबई। रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन का एलान होने के बाद से ही फैस काफ़ी एक्ससाइटेट हैं। अब इसका ऑफिशियल ट्रेलर जारी कर दिया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- 'खेल शुरू हो चुका है। भरोसा करो...आप हिम्मत है तो।' वहीं ट्रेलर इस बार और खतरनाक नजर आ रहा है। शो को एक बार फिर करण जोहर होस्ट करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर के शुरुआत में कंटेस्टेंट की झलक भी देखने को मिलती है, जिसमें- मल्लिका शेरानात, रिया चक्रवर्ती, मुनक्कर फरकी,

क्रिस्टल डिसूजा जैसे सितारे नजर आते हैं। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, शो और खतरनाक होता दिखाई देता है।

इस सीजन में दर्शकों को मल्लिका शेरानात, रिया चक्रवर्ती, मुनक्कर फरकी, क्रिस्टल डिसूजा, पारुल गुलाटी, रणवीर बराड, शाहनील गिल, दलीप ताहिल, हरमन सिंह, शालिनी पासी, अभिषेक मल्हान, आदित्य कुलश्रेष्ठ, श्वेता तिवारी, रिदा थराना, अंश चोपड़ा, इक्का और तान्या पुरी समेत अन्य लोगों का अधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- 'खेल शुरू हो चुका है। भरोसा करो...आप हिम्मत है तो।' वहीं ट्रेलर इस बार और खतरनाक नजर आ रहा है। शो को एक बार फिर करण जोहर होस्ट करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर के शुरुआत में कंटेस्टेंट की झलक भी देखने को मिलती है, जिसमें- मल्लिका शेरानात, रिया चक्रवर्ती, मुनक्कर फरकी,

सीएम योगी का अखिलेश पर तंज

कुछ लोग जीवन भर बच्चे ही बने रहते हैं, वबुआ भी यही करते हैं



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग जीवन भर बच्चे ही बने रहते हैं। वबुआ भी यही करते थे। वो दोपहर 12 बजे सो कर उठते थे। वो बजे तैयार होते थे। पांच बजते-बजते उनके जिम जाने का समय हो जाता था और शाम 7 बजे महफिल सज जाती थी। देश प्रदेश के बारे में सोचने के लिए उनके पास समय ही कहां होता था। प्रदेश को कानून व्यवस्था का हाल तो ये था कि महिलाओं को सबसे बड़ा खतरा इन्हीं सपाइयों से ही था। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' के अवसर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने का कि जब सरकारें प्रदेश के विकास के लिए काम करती हैं तो

उसका लाभ समाज के हर तबके को मिलता है। इसके पहले उन्होंने एक्स पर कहा कि आज उत्तर प्रदेश की समृद्ध विरासत और हमारे कर्मठ बुनकर साथियों की अप्रतिम प्रतिभाओं को नमन करने का दिन है। 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' के अवसर पर लखनऊ में आयोजित समारोह में हमारे उत्कृष्ट बुनकर भाई-बहनों को 'संत कबीर राज्य स्तरीय हथकरघा पुरस्कार' से सम्मानित करने का सौभाग्य मिलेगा। साथ ही, 'मुख्यमंत्री हैडलूम एवं पावरलूम उद्योग विकास योजना' तथा 'झलकारी बाई कोरी हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना' के लाभार्थियों को चेक भी प्रदान किए जाएंगे।

राहुल गांधी का पीएम पर तंज: मुझे और बैटमैन को किसी ने एक साथ नहीं देखा

नई दिल्ली/ए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार रात इंस्टाग्राम पर आयोजित 'आस्क मी एनीथिंग (एमए)' सत्र में युवाओं के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान उन्होंने गंभीर राजनीतिक मुद्दों के साथ-साथ हल्के-फुल्के और मजाकिया सवालों का भी जवाब दिया। बातचीत में झारखंड के छात्र आंदोलन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पालतू कुत्ते, पसंदीदा भाजपा नेता और संविधान की विचारधारा जैसे कई विषय शामिल रहे।



एमए सत्र के दौरान एक यूजर ने राहुल गांधी से पूछा, 'क्या आप बैटमैन हैं?' इस पर राहुल गांधी ने हंसेते हुए जवाब दिया, 'बस इतना समझ लीजिए कि मुझे और बैटमैन को किसी ने कभी एक ही कमरे में साथ नहीं देखा'। उनके इस जवाब पर सोशल

झारखंड छात्र आंदोलन पर क्या बोले?

झारखंड में छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि हर सरकार को छात्रों की बात सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

मीडिया पर लोगों ने भी खूब प्रतिक्रिया दी।

ट्रंप का बड़ा फैसला: जन्मसिद्ध नागरिकता पर दो नए आदेश, बर्थ टूरिज्म पर लगाम



वाशिंगटन/ए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मसिद्ध नागरिकता के दायरे को सीमित करने के लिए दो महत्वपूर्ण कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह कदम सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनके पिछले आदेश को खारिज किए जाने के बाद उठाया गया है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में नए आदेशों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, जन्म के अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हमारा बहुत बुरा फैसला आया। यह बहुत करीबी था। इसलिए हम बदलाव कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, पहला आदेश "बर्थ टूरिज्म" को टारगेट करता है। बर्थ टूरिज्म का मतलब है कि कोई विदेशी व्यक्ति नॉन-इमिग्रेंट वीजा पर अमेरिका में प्रवेश करे, जिसका मुख्य उद्देश्य अमेरिकी धरती पर बच्चे को जन्म देना हो, या कोई भी व्यक्ति ऐसे प्रवेश को सुविधाजनक बनाने की कोशिश करे। दूसरा आदेश जन्म के आधार पर नागरिकता के लिए अयोग्य माने जाने वाले लोगों की परिभाषा को और व्यापक बनाता है।



नव प्रदेश

राज...53

सोनी के कहने से कटा था नरोत्तम का टिकट

दलिया सीट की हार को मध्य प्रदेश की बीजेपी पचा नहीं पा रही है। नरोत्तम मिश्र तो खैर मायूस हैं ही। उनकी मायूसी की वजह यह नहीं है कि बीजेपी यहां से हार गई। मायूसी की वजह यह है कि अंदरखाने में हार की वजह उन्हें ही ठहराया जा रहा है। अपने नजदीकी लोगों से बातचीत में वे स्वीकार कर रहे हैं कि उनके राजनीतिक करियर को कोई संयोग ही उबार सकता है। इन्हीं चर्चाओं में से यह बात सामने निकल कर आई है कि बीजेपी के आलाकमान ने उन्हें ही टिकट देने की तैयारी की थी, लेकिन मध्य प्रदेश की राजनीति में दिलचस्पी लेने वाले संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेश सोनी ने अड़ंगा डाल दिया। बता दें कि सुरेश सोनी पहले बीजेपी और संघ के बीच तालमेल बैठाने की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। सामान्य भाषा में कह सकते हैं कि एक तरह से संघ की ओर से बीजेपी पर नियंत्रण रखने की जिम्मेदारी सोनी के पास रही है। लेकिन सवाल यह है कि सोनी ने नरोत्तम का टिकट क्यों कटवाया? इसका जवाब अभी नहीं मिल पाया है। देर-सवेर इस सवाल का भी जवाब मिल ही जाएगा। तब तक मोहन यादव राहत की सांस ले सकते हैं। अब मध्य प्रदेश में उनके लिए कोई चुनौती जो नहीं दिख रही।

नितिन नवीन पर हार का ठीकरा फोड़ने की कोशिश

बिहार की बांकीपुर सीट से बीजेपी उम्मीदवार की हार पार्टी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन के लिए बड़ा झटका है। यह सीट बीजेपी का गढ़ रही है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का अपना निर्वाचन क्षेत्र भी। यहां से प्रशांत किशोर की जीत और बीजेपी उम्मीदवार अभिषेक की हार को लेकर पटना के राजनीतिक गलियारों में कहा जाने लगा है कि उनका ध्यान अपनी सीट पर कम और सरकारी कामकाज में दखल पर ज्यादा हो गया था। वे बिहार की राजनीति में दखल भी देने लगे थे और सरकार के कामकाज में भी। वे मंत्रियों से मुलाकात करके उन्हें दिशानिर्देश देने लगे थे। वैसे यह खबर उड़ाने में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खेमे के हाथ माना जा रहा है। वैसे भी पार्टी अध्यक्ष होने के नाते उनका अपने मंत्रियों को निर्देश देना या उनसे मुलाकात करना कोई नई बात और अनाहोनी बात नहीं है। जाहिर है कि इस हार के लिए सम्राट चौधरी के खेमे की ओर से नितिन नबीन को निशाना बनाने का मकसद है, अपनी जिम्मेदारी से पीछा छुड़ाना और अपनी कमजोरी को छुपाना है। वैसे तो हर जीत और हार की जिम्मेदारी पार्टी अध्यक्ष के नाते नितिन नबीन की ही है, इसलिए उन्हें सिर्फ बांकीपुर के ही लिए क्यों घेरा जाए।

कड़ी कार्रवाई या दिखावे की कोशिश

सीजेपी के आंदोलन से हुए नुकसान की भरपाई की कोशिश के तहत सरकार ने एक तरह से जानी-पहचानी पीआर चाल चली है। असल में यह फैसला बेहद सतही है, लेकिन सरकार ने इसे ऐसे प्रस्तुत किया है, जैसे वह बहुत ही गंभीर फैसला हो। नेशनल टैस्सिंग एजेंसी यानी एनटीए की परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों को लेकर जनता के गुस्से को शांत करने के लिए, सरकार ने परीक्षा सुधार पर एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स बनाई है। इसमें अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के पूर्व चेयरमैन एस. सोमनाथ, खुफिया ब्यूरो के पूर्व निदेशक तपन डेका और आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. बी. कामकोटी को शामिल किया गया है।इस कदम से तुरंत कुछ सवाल उठते हैं कि शिक्षा में बड़े बदलाव के लिए गठित समिति में रॉकेट विज्ञानी, पूर्व इंटीलजेंस चीफ और कंप्यूटर इंजीनियर का क्या काम हो सकता है और वे किस तरह तालमेल बना सकते हैं। भले ही कामकोटी को उनके तकनीकी पृष्ठभूमि के चलते शामिल किया गया हो, लेकिन यह सवाल उठता है कि क्या इससे काम में दोहराव नहीं होगा। वजह यह है कि इस पैनल की अगुवाई पहले से ही टेक दिग्गज नंदन नीलेकणिंग कर रहे हैं? कुल मिलाकर, शिक्षा के मूल्यांकन के मुख्य क्षेत्र से बाहर के हार्ड-प्रोफाइल लोगों से भरे इस पैनल को देखकर ऐसा लगता है कि यह किसी ठोस प्रशासनिक समाधान की बजाय, विरोध कर रहे छात्रों को शांत करने और कड़ा एक्शन लेने का दिखावा करने की एक कोशिश ज्यादा है।

सूरतलाई में बोले पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री—समस्याओं का समाधान वहीं हो, जहां से शिकायत सामने आए

नवप्रदेश/जबलपुर।
मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को पनागर विधानसभा क्षेत्र के सूरतलाई में आयोजित जनसंवाद में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया।
उन्होंने कहा कि अभियान का सबसे बड़ा उद्देश्य प्रशासन को जनता के

बीच पहुंचाकर समस्याओं का समाधान उसी स्थान पर करना है, जहां से वे सामने आती हैं। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से केवल शिकायतों के निराकरण तक सीमित न रहते हुए गांवों की लंबित समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में काम करने का आह्वान किया।
पांच स्थानों पर पहुंची प्रशासनिक टीमें: जबलपुर जिले में अभियान की शुरुआत पनागर विधानसभा क्षेत्र से हुई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों की टीमों ने मोहास, कंदराखेड़ा, उड्डवांकला, सूरतलाई और नगर पालिका पनागर का भ्रमण कर शासकीय योजनाओं के

क्रियान्वयन की स्थिति देखी तथा ग्रामीणों से उनकी समस्याएं जानीं। मंत्री पटेल ने कहा कि सीएम हेल्यलाइन शिकायतों के निराकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन जनविश्वास अभियान में अधिकारी और जनप्रतिनिधि सीधे लोगों के बीच मौजूद हैं। इसलिए नागरिक अपनी समस्याएं सीधे उनके समक्ष रखें।
श्मशान घाट के लिए भूमि और रास्ता जरूरी: मंत्री ने गांवों में श्मशान घाट की व्यवस्थाओं को भी प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि कई जगह भूमि का अभाव, अतिक्रमण या पहुंच मार्ग नहीं होने के कारण ग्रामीणों को परेशानी होती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपने क्षेत्र में श्मशान घाट की भूमि और रास्ते की

स्थिति की जानकारी प्रशासन को देने की अपील की, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।
स्व-सहायता समूहों को मिलें बेहतर अवसर: पटेल ने पंचायतों में सक्रिय महिला स्व-सहायता समूहों

को काम के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अनुपयोगी या मरमत्त योग्य शासकीय भवनों को समूहों के उपयोग में लाया जा सकता है। प्रदेश में करीब 17 लाख स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण ताकत हैं। इन्हें बेहतर अवसर मिलने से महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर और तेजी से बढ़ सकती हैं।
शहर से लगी पंचायतों की अभी से बने विकास योजना: मंत्री ने पंचायत परिसीमन में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि शहर से लगी पंचायतों में तेजी से आवासीय क्षेत्र विकसित हो रहे हैं, इसलिए जल निकासी, खेल मैदान, सार्वजनिक स्थान और बाजार जैसी जरूरतों के लिए अभी से योजना बनानी होगी। सरकारी भूमि की उपलब्धता का भी ध्यान रखना जरूरी है, ताकि भविष्य में स्कूल और अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए भूमि का संकट न खड़ा हो।
स्कूल सहित विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण: जनसंवाद से पहले और बाद में मंत्री पटेल ने शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला सूरतलाई का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों से पढ़ाई तथा स्कूल की सुविधाओं के संबंध में बातचीत की। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र, पशु औषधालय, उर्चित मूल्य दुकान और नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का भी जायजा लिया।

■ ■ ■
न्यूज गैलरी

आकाशीय बिजली एवं तेज आंधी-तूफान से बचाव के लिए बरतें सावधानी
नव प्रदेश अनूपपुर / मानसून के दौरान आकाशीय बिजली, तेज आंधी-तूफान एवं खराब मौसम से संभावित जनहानि एवं संपत्ति की क्षति को रोकने के उद्देश्य से शासन द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आमजन से मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान एवं चेतावनियों का पालन करने तथा खराब मौसम के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है। जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विकसित दामिनी मोबाइल एप का उपयोग करने की सलाह दी गई है, जिससे आकाशीय बिजली गिरने की संभावित सूचना समय रहते प्राप्त हो सके। नागरिकों से अपने मोबाइल में दामिनी एप डाउनलोड करने तथा मौसम संबंधी अलर्ट पर गंभीरता से अमल करने का आग्रह किया गया है। साथ ही ग्राम एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता के माध्यम से लोगों को आवश्यक सावधानियों की जानकारी देने पर भी बल दिया गया है।
आमजन से अपील की गई है कि आकाशीय बिजली चमकने के दौरान खुले मैदान, पेड़ों, बिजली के खंभों, टावरों, जलाशयों एवं धातु की वस्तुओं से दूर रहें। किसान एवं खेतों में कार्यरत श्रमिक खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थान पर चले जाएं तथा मौसम सामान्य होने के बाद ही कार्य प्रारंभ करें। तेज आंधी-तूफान की स्थिति में सुरक्षित भवनों के भीतर रहें और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें। शासन का उद्देश्य समय पर चेतावनी, जनजागरूकता एवं आवश्यक सुरक्षा उपायों के माध्यम से आकाशीय बिजली एवं खराब मौसम से होने वाली जनहानि को न्यूनतम करना है।

बाल चित्रकला स्पर्धा आज
जबलपुर। गुंजन कला सदन मध्यप्रदेश द्वारा बुंदेली दिवस समारोह के तारतम्य में श्रीमती किरन देवी अग्रवाल स्मृति बाल चित्रकला स्पर्धा 8 अगस्त को दोपहर 2 बजे से हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल गोविंदराज, दमोहनाका हितकारिणी कन्या शाला बी टी बंगला गढ़, स्कॉटिश कॉन्वेंट सोनियर सेकेंडरी स्कूल महेंद्रपुर, रेंटेल एकेडमी स्कूल, मधुरा विहार विजयनगर में एक साथ प्रारंभ होगी। प्रतियोगिता 4 आयु वर्गों में क्रमशः केजी स्तर, प्राथमरी, मिडिल एवं हाई/ हायर सेकेंडरी स्तर में होगी। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रतियोगिता स्थल पर ही प्रदान किए जाएंगे। विजेताओं को पुरस्कार वितरण 1 सितंबर को संस्था 7 बजे से शहीद स्मारक में आयोजित बुंदेली दिवस समारोह में किया जाएगा।

उद्यमिता संवाद में मंत्री ने स्व-सहायता समूहों और उद्यमियों से किया संवाद उद्यम से उद्योग की ओर बढ़ें समूह, कौशल और बाजार की समझ जरूरी: पटेल

नवप्रदेश/ जबलपुर।
पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि स्व-सहायता समूहों को अब छोटे उद्यमों से आगे बढ़कर उद्योग की दिशा में कदम बढ़ाने की जरूरत है।
इसके लिए नए कौशल, प्रशिक्षण और बाजार की समझ विकसित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कारोबार के विस्तार के साथ उत्पाद की गुणवत्ता, मार्केटिंग, लाइसेंसिंग, बौद्धिक संपदा और श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर भी उद्यमियों को गंभीरता से ध्यान देना होगा।
पनागर जनपद पंचायत के सभाकक्ष में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता संवाद में मंत्री पटेल ने उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों और ग्रामीणों से उनकी गतिविधियों, समस्याओं तथा शासकीय योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि व्यवसाय बढ़ने के साथ नियमों और वैधानिक प्रक्रियाओं की जानकारी भी जरूरी हो जाती है। लाइसेंस, श्रम कानून और अन्य प्रावधानों का पालन करते हुए उद्यम को आगे बढ़ाना चाहिए।
स्थानीय जरूरत के अनुसार चुनें व्यवसाय: मंत्री ने कहा कि उद्यम शुरू करते समय क्षेत्र में उपलब्ध कच्चे माल, स्थानीय मांग और बाजार की संभावनाओं को ध्यान में रखना

चाहिए। केवल किसी दूसरे व्यक्ति के सफल व्यवसाय की नकल करने के बजाय अपने क्षेत्र की जरूरत को समझना अधिक उपयोगी है। उन्होंने कहा कि एक ही तरह के जरूरत से अधिक व्यवसाय खुलने पर सभी के लिए पर्याप्त बाजार उपलब्ध नहीं हो पाता।
पटेल ने कहा कि समूह आगे चलकर कंपनी का रूप लेकर छोटे उद्योग में परिवर्तित हो सकते हैं। ऐसे में मशीनों के संचालन के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों, विद्युत उपकरणों की सुरक्षा और कार्यस्थल पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी।
गुणवत्ता और बाजार की मांग को समझना जरूरी: मंत्री ने कहा कि गुणवत्ता की गुणवत्ता कारोबार की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। स्थानीय स्तर पर बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद तैयार होंगे तो बाहर से आने वाले उत्पादों पर निर्भरता कम होगी। उद्यमियों को बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ताओं की जरूरतों को समझकर उत्पादन करना चाहिए। उन्होंने ट्रेडमार्क,

को आयुष्मान कार्ड सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं, इसकी जानकारी रखने और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करने की व्यवस्था करने का सुझाव दिया।

योजनाओं से जोड़कर बढ़ाएं स्वरोजगार.....
कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि युवाओं और छोटे उद्यमियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से त्रुा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने लोगों से अपनी क्षमता और स्थानीय संभावनाओं के अनुसार योजनाओं का लाभ लेकर व्यवसाय विस्तार करने का आह्वान किया।
उन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) का उल्लेख करते हुए खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में संभावनाओं पर जोर दिया। कलेक्टर ने बताया कि योजना के तहत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए 20 हजार रुपये तक मानदेय का प्रावधान है। पात्रतानुसार सब्सिडी और ब्याज अनुदान जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल योजनाओं की संतुष्टि नहीं, बल्कि अधिक से अधिक लोगों को पैदा करना होना चाहिए।
जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत ने बताया कि जिले की 527 पंचायतों में अब तक 930 उद्यमों का पंजीयन किया जा चुका है। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 71 उद्यम शिविर आयोजित किए गए हैं।

इसी माह सड़कों पर उतरेंगी 22 ई-बसें, प्रदूषण मुक्त सार्वजनिक परिवहन की सौगात

नवप्रदेश/ जबलपुर।
शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था जल्द ही नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। इसी माह से 22 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसें (ई-बस) शहर की सड़कों पर दौड़ेंगी।
केंद्र सरकार की योजना के तहत शुरू हो रही इस सेवा का संचालन जबलपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड (जेसीटीएसएल) करेगा। अधिकारियों के अनुसार 15 अगस्त को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस बस सेवा का शुभारंभ किए जाने की संभावना है।
नई ई-बसें शहर के प्रमुख मार्गों के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी संचालित होंगी, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन उपलब्ध होगा।
बसों के संचालन और रखरखाव के लिए कवौंदा में आधुनिक चार्जिंग एवं मेंटेनेंस सेंटर तैयार किया गया है। एक बार पूर्ण चार्ज होने पर प्रत्येक बस लगभग 180

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 402 कौशल्या विहार, नेपियर टाउन, 482001 से प्रकाशित, मो. 6262188999 (न्याय क्षेत्र जबलपुर)।